

॥ हनुमान चालीसा ॥

— गोस्वामी तुलसीदास रचित —

॥ दोहा ॥

श्रीगुरु चरन सरोज रज, निज मनु मुकुरु सुधारि। बरनउँ रघुबर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि॥
बुद्धिहीन तनु जानिके, सुमिरौं पवन-कुमार। बल बुद्धि बिद्या देहु मोहिं, हरहु कलेस बिकार॥

॥ चौपाई ॥

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर।
जय कपीस तिरुँ लोक उजागर॥

॥ १ ॥

राम दूत अतुलित बल धामा।
अञ्जनि-पुत्र पवनसुत नामा॥

॥ २ ॥

महाबीर बिक्रम बजरङ्गी।
कुमति निवार सुमति के सङ्गी॥

॥ ३ ॥

कञ्चन बरन बिराज सुबेसा।
कानन कुण्डल कुञ्चित केसा॥

॥ ४ ॥

हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै।
काँधे मूँज जनेऊ साजै॥

॥ ५ ॥

शंकर सुवन केसरीनन्दन।
तेज प्रताप महा जग बन्दन॥

॥ ६ ॥

विद्यावान गुनी अति चातुर।
राम काज करिबे को आतुर॥

॥ ७ ॥

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया॥

॥ ८ ॥

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा।
बिकट रूप धरि लंक जरावा॥

॥ ९ ॥

भीम रूप धरि असुर सँहारे।
रामचन्द्र के काज सँवारे॥

॥ १० ॥

लाय सञ्जीवन लखन जियाये।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये॥

॥ ११ ॥

रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई॥

॥ १२ ॥

सहस बदन तुम्हरो जस गावैं।
अस कहि श्रीपति कण्ठ लगावैं॥

॥ १३ ॥

सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा।
नारद सारद सहित अहीसा॥

॥ १४ ॥

जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते।
कबि कोबिद कहि सके कहाँ ते॥

॥ १५ ॥

तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा।
राम मिलाय राज पद दीन्हा॥

॥ १६ ॥

तुम्हरो मन्त्र बिभीषन माना।
लङ्केस्वर भए सब जग जाना॥

॥ १७ ॥

जुग सहस्र जोजन पर भानू।
लील्यो ताहि मधुर फल जानू॥

॥ १८ ॥

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं।
जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं॥

॥ १९ ॥

दुर्गम काज जगत के जेते।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते॥

॥ २० ॥

राम दुआरे तुम रखवारे।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे॥

सब सुख लहै तुम्हारी सरना।
तुम रक्षक काहु को डर ना॥

॥ २१ ॥

आपन तेज सम्हारो आपै।
तीनों लोक हॉक तें काँपै॥

॥ २३ ॥

नासै रोग हरै सब पीरा।
जपत निरन्तर हनुमत बीरा॥

॥ २५ ॥

सब पर राम तपस्वी राजा।
तिन के काज सकल तुम साजा॥

॥ २७ ॥

चारों जुग परताप तुम्हारा।
है परसिद्ध जगत उजियारा॥

॥ २९ ॥

अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता।
अस बर दीन्ह जानकी माता॥

॥ ३१ ॥

तुम्हरे भजन राम को पावै।
जनम-जनम के दुख बिसरावै॥

॥ ३३ ॥

और देवता चित्त न धरई।
हनुमत सेई सर्व सुख करई॥

॥ ३५ ॥

जय जय जय हनुमान गोसाईं।
कृपा करहु गुरुदेव की नाई॥

॥ ३७ ॥

जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा।
होय सिद्धि साखी गौरीसा॥

॥ ३९ ॥

॥ २२ ॥

भूत पिसाच निकट नहिं आवै।
महाबीर जब नाम सुनावै॥

॥ २४ ॥

संकट तें हनुमान छुड़ावै।
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै॥

॥ २६ ॥

और मनोरथ जो कोई लावै।
सोई अमित जीवन फल पावै॥

॥ २८ ॥

साधु-सन्त के तुम रखवारे।
असुर निकन्दन राम दुलारे॥

॥ ३० ॥

राम रसायन तुम्हरे पासा।
सदा रहो रघुपति के दासा॥

॥ ३२ ॥

अन्त काल रघुबर पुर जाई।
जहाँ जन्म हरिभक्त कहाई॥

॥ ३४ ॥

संकट कटै मिटै सब पीरा।
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा॥

॥ ३६ ॥

जो सत बार पाठ कर कोई।
छूटहि बन्दि महा सुख होई॥

॥ ३८ ॥

तुलसीदास सदा हरि चेरा।
कीजै नाथ हृदय मँह डेरा॥

॥ ४० ॥

॥ दोहा ॥

पवनतनय संकट हरन, मङ्गल मूरति रूप। राम लखन सीता सहित, हृदय बसहु सुर भूप॥

🙏 जय श्री राम | जय हनुमान 🙏



Hanuman Chalisa



— By Goswami Tulsidas (Roman Transliteration) —

॥ Doha ॥

Shri Guru Charan Saroj Raj, Nij Manu Mukuru Sudhari | Barnau Raghubar Bimal Jasu, Jo Dayaku Phal Chari ॥
Buddhihin Tanu Janike, Sumirau Pavan-Kumar | Bal Buddhi Bidya Dehu Mohi, Harahu Kales Bikar ॥

॥ Chaupai ॥

Jai Hanuman Gyan Gun Sagar |
Jai Kapis Tihun Lok Ujagar ॥

॥ 1 ॥

Ram Doot Atulit Bal Dhama |
Anjani-Putra Pavanasut Nama ॥

॥ 2 ॥

Mahavir Bikram Bajrangi |
Kumati Nivar Sumati Ke Sangi ॥

॥ 3 ॥

Kanchan Baran Biraj Subesa |
Kanan Kundal Kunchit Kesa ॥

॥ 4 ॥

Hath Bajra Au Dhwaja Birajai |
Kandhe Munj Janeu Sajai ॥

॥ 5 ॥

Shankar Suvan Kesarinandan |
Tej Pratap Maha Jag Bandan ॥

॥ 6 ॥

Vidyavan Guni Ati Chatur |
Ram Kaj Karibe Ko Aatur ॥

॥ 7 ॥

Prabhu Charitra Sunibe Ko Rasiya |
Ram Lakhan Sita Man Basiya ॥

॥ 8 ॥

Sukshma Roop Dhari Siyahi Dikhava |
Bikat Roop Dhari Lank Jarava ॥

॥ 9 ॥

Bhim Roop Dhari Asur Sanhare |
Ramchandra Ke Kaj Saware ॥

॥ 10 ॥

Lay Sanjivan Lakhan Jiyaye |
Shri Raghubir Harashi Ur Laye ॥

॥ 11 ॥

Raghupati Kinhi Bahut Badai |
Tum Mam Priya Bharatahi Sam Bhai ॥

॥ 12 ॥

Sahas Badan Tumharo Jas Gavain |
As Kahi Shripati Kanth Lagavain ॥

॥ 13 ॥

Sanakadik Brahmadi Munisa |
Narad Sarad Sahit Ahisa ॥

॥ 14 ॥

Jam Kuber Diggpal Jahan Te |
Kabi Kobid Kahi Sake Kahan Te ॥

॥ 15 ॥

Tum Upkar Sugrivahi Tinha |
Ram Milay Raj Pad Tinha ॥

॥ 16 ॥

Tumharo Mantra Bibhishan Mana |
Lankeshwar Bhaye Sab Jag Jana ॥

॥ 17 ॥

Jug Sahastra Jojan Par Bhanu |
Lilyo Tahi Madhur Phal Janu ॥

॥ 18 ॥

Prabhu Mudrika Meli Mukh Mahin |
Jaladhi Langi Gaye Acharaj Nahin ॥

॥ 19 ॥

Durgam Kaj Jagat Ke Jete |
Sugam Anugraha Tumhare Tete ॥

॥ 20 ॥

Ram Duare Tum Rakhware |
Hot Na Agya Binu Paisare ॥

॥ 21 ॥

Sab Sukh Lahai Tumhari Sarna |
Tum Rakshak Kahu Ko Dar Na ॥

॥ 22 ॥

Apan Tej Samharo Apai |
Tinon Lok Hank Te Kanpai ॥

॥ 23 ॥

Bhoot Pisach Nikat Nahin Avai |
Mahavir Jab Nam Sunavai ॥

॥ 24 ॥

Nase Rog Harai Sab Pira |
Japat Nirantar Hanumat Bira ||
|| 25 ||

Sab Par Ram Tapasvi Raja |
Tin Ke Kaj Sakal Tum Saja ||
|| 27 ||

Charon Jug Partap Tumhara |
Hai Parsiddh Jagat Ujjyara ||
|| 29 ||

Asht Siddhi Nau Nidhi Ke Data |
As Bar Dinhan Janaki Mata ||
|| 31 ||

Tumhare Bhajan Ram Ko Pavai |
Janam-Janam Ke Dukh Bisravai ||
|| 33 ||

Aur Devta Chitt Na Dharai |
Hanumat Sei Sarb Sukh Karai ||
|| 35 ||

Jai Jai Jai Hanuman Gosain |
Kripa Karahu Gurudev Ki Nain ||
|| 37 ||

Jo Yah Padhai Hanuman Chalisa |
Hoy Siddhi Sakhi Gaurisa ||
|| 39 ||

Sankat Te Hanuman Chhuravai |
Man Kram Bachan Dhyani Jo Lavai ||
|| 26 ||

Aur Manorath Jo Koi Lavai |
Soi Amit Jivan Phal Pavai ||
|| 28 ||

Sadhu-Sant Ke Tum Rakhware |
Asur Nikandan Ram Dulare ||
|| 30 ||

Ram Rasayan Tumhare Pasa |
Sada Raho Raghupati Ke Dasa ||
|| 32 ||

Ant Kal Raghubar Pur Jai |
Jahan Janma Haribhakt Kahai ||
|| 34 ||

Sankat Kate Mitai Sab Pira |
Jo Sumirai Hanumat Balbira ||
|| 36 ||

Jo Sat Bar Path Kar Koi |
Chhutehi Bandi Maha Sukh Hoi ||
|| 38 ||

Tulsidas Sada Hari Chera |
Kijai Nath Hriday Mah Dera ||
|| 40 ||

|| Doha ||

Pavantanay Sankat Haran, Mangal Murati Roop | Ram Lakhan Sita Sahit, Hriday Basahu Sur Bhoop ||

🙏 Jai Shri Ram | Jai Hanuman 🙏